

# डॉ. ट्रेम्पर लॉन्गमैन, ईश्वर एक योद्धा है, सत्र 1, परिचय

© 2024 ट्रेम्पर लॉन्गमैन और टेड हिल्डेब्रांट

यह ईश्वर एक योद्धा है पर अपनी शिक्षा में डॉ. ट्रेम्पर लॉन्गमैन हैं। सत्र 1, परिचय.

मेरा नाम ट्रेम्पर लॉन्गमैन है और मैं ओल्ड टेस्टामेंट का सेवानिवृत्त प्रोफेसर हूँ। मैंने अपने करियर के पहले 18 वर्षों तक वेस्टमिंस्टर थियोलॉजिकल सेमिनरी में पढ़ाया। और 1998 में, मैं कैलिफ़ोर्निया के खूबसूरत सांता बारबरा में वेस्टमोंट कॉलेज चला गया, जहाँ मैंने अगले 19 वर्षों तक पढ़ाया और फिर पूर्णकालिक शिक्षण से सेवानिवृत्त हो गया। मैं पढ़ाता रहा, आप जानते हैं, अलेक्जेंड्रिया, वर्जीनिया जाने के लिए गहनता से काम करता रहा और लिखता रहा, जहाँ हम अभी हैं, जहाँ मेरे दो बेटे और हमारे छह पोते-पोतियां रहते हैं और दूसरा बेटा और दो अन्य पोते-पोतियां पूर्वी तट पर हैं .

इसलिए, कैलिफ़ोर्निया से इस क्षेत्र में लौटना एक तरह से आसान काम था, जहाँ मैं विभिन्न विषयों पर लिखना जारी रखता हूँ, और कुछ को पढ़ाता हूँ और अनुवाद परियोजनाओं पर काम करता हूँ, विशेष रूप से, न्यू लिविंग ट्रांसलेशन, जहाँ मैं प्रभारी था स्तोत्र और ज्ञान साहित्य का. लेकिन जिस विषय को अक्सर दिव्य योद्धा विषय के रूप में जाना जाता है, उसमें मेरी करियर भर रुचि और आकर्षण रहा है। और जैसा कि हम देखेंगे, यह एक ऐसा विषय है जिसके प्रति एक बार जब आप संवेदनशील हो जाते हैं, तो उत्पत्ति से लेकर रहस्योद्घाटन तक यह अक्सर होता रहता है।

और इसलिए, हम इस विषय का पता लगाने जा रहे हैं। और हम इसे बाइबिल धर्मशास्त्र में एक अध्ययन के रूप में तलाशने जा रहे हैं। क्योंकि यदि आप बाइबल के बारे में बात करते हैं, तो आप साहित्य के एक भाग के रूप में बाइबल के बारे में बात कर सकते हैं।

आप इसके बारे में इतिहास के रूप में बात कर सकते हैं। और निस्संदेह, आप इसके बारे में धर्मशास्त्र के रूप में भी बात कर सकते हैं, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है। यह वह जगह है जहाँ भगवान ने खुद को अपने लोगों के सामने प्रकट करने के लिए चुना है।

और इसलिए, आत्म-प्रकटीकरण के इस कार्य में, इस रहस्योद्घाटन में, हम यह जानने के लिए बाइबल में जाते हैं कि ईश्वर कौन है। और जैसा कि हम ऐसा करते हैं, और वैसे, मुझे कहना चाहिए कि भले ही हम बाइबिल के बारे में साहित्य के रूप में, बाइबिल के बारे में इतिहास के रूप में, और बाइबिल के बारे में धर्मशास्त्र के रूप में बात कर सकते हैं, ये तीनों एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। धर्मशास्त्र, जैसा कि हम देखेंगे, इतिहास, स्थान और समय में ईश्वर के कार्यों पर आधारित है।

और इसलिए, लेकिन अगर हम बाइबल को धर्मशास्त्र के रूप में सोचते हैं और इस बात पर विचार करते हैं कि भगवान पवित्रशास्त्र में खुद को कैसे प्रकट करते हैं, तो निश्चित रूप से, हम पुष्टि करना चाहते हैं कि भगवान का खुद का सबसे सही रहस्योद्घाटन यीशु मसीह में है। लेकिन

जैसा कि हम, और हम देखेंगे कि कैसे दिव्य योद्धा विषय भी यीशु की ओर इशारा करता है, लेकिन जैसे ही हम पुराने नियम में जाते हैं, मुझे लगता है कि हम वहां कुछ बहुत दिलचस्प देख सकते हैं, कि भगवान अपने कार्यों के माध्यम से स्वयं को प्रकट करते हैं। आप निर्गमन जैसा कुछ सोचते हैं।

लेकिन साथ ही, जब पुराना नियम ईश्वर के बारे में बात करता है, तो यह अक्सर विभिन्न रूपकों और उपमाओं का उपयोग करता है। और हम उनकी पूरी सूची देख सकते हैं। भगवान एक चरवाहा है।

ईश्वर एक पिता है। परमेश्वर एक राजा है जो लोगों के साथ अनुबंध करता है। और परमेश्वर इस्राएल का पति, और उसकी पत्नी है।

और फिर कुछ और भी हैं जिन्हें हम स्थानीय रूपक कह सकते हैं। वे बड़े लोग हैं। कुछ तो ऐसे हैं जो काफी चौंकाने वाले और हैरान करने वाले हैं।

जैसा कि भजन 78 में कहा गया है, भगवान एक नशे में धुत्त सैनिक की नींद की तरह नींद से जाग उठे। और रूपकों से आपका ध्यान आकर्षित होना चाहिए, है ना? और वह भजन 78 न तो नशे की वकालत कर रहा है, बल्कि यह आपको सोचने पर मजबूर करता है कि भगवान किस तरह से ऐसा है? और इसलिए, जब ईश्वर की बात आती है तो धर्मग्रंथ का एक बड़ा रूपक एक योद्धा के रूप में ईश्वर है। और इसलिए, हम यह देखने जा रहे हैं कि ईश्वर स्वयं को एक योद्धा के रूप में प्रकट करता है, जैसा कि मैं कहता हूँ, उत्पत्ति की पुस्तक से लेकर प्रकाशितवाक्य की पुस्तक तक।

लेकिन जैसे-जैसे हम पुराने नियम से नए नियम की ओर बढ़ते हैं, हम इस विषय के प्रकटीकरण में कुछ निरंतरता और विकास भी देखेंगे। वास्तव में, मैं इस विषय का वर्णन इस प्रकार करने जा रहा हूँ, जिसे मैं पाँच चरण कहता हूँ। और ऐसा नहीं है कि वे हमेशा कालानुक्रमिक रूप से अनुक्रमिक होते हैं।

हम यहां कुछ ओवरलैप देखने जा रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हम पवित्रशास्त्र में जो देखते हैं उसका वर्णन करने का यह एक सुविधाजनक तरीका है। और इसलिए हम इस बाइबिल-धार्मिक अध्ययन में शामिल होने जा रहे हैं, और हम इन पांच चरणों को देखने जा रहे हैं, जिन्हें मैं अभी नाम दूंगा, और हम उनमें से प्रत्येक के बारे में कुछ विस्तार से बात करेंगे। पहला चरण वह है जब परमेश्वर इस्राएल के हाड़-मांस के शत्रुओं से लड़ता है।

यह संभवतः सबसे प्रसिद्ध चरण है और आज का सबसे विवादास्पद चरण भी है। और वास्तव में, जैसे-जैसे हम बाइबिल-धार्मिक विषय में आगे बढ़ेंगे और विकसित होंगे, मैं इसके विवादास्पद पहलू के बारे में और अधिक बात करूंगा। और फिर अंत में, हम इस पर धार्मिक और नैतिक दोनों दृष्टिकोणों से विचार करेंगे।

तो, मैं केवल इन पांच विषयों का वर्णन करके शुरुआत करने जा रहा हूँ, शुरुआत इसराइल के हाड़-मांस के दुश्मनों के खिलाफ ईश्वर की लड़ाई से शुरू करते हुए, और मैं इसके कई

उदाहरण दूंगा। और फिर हम चरण दो पर जाएंगे, जिसमें ईश्वर इज़राइल से लड़ता है। बाइबिल के इतिहास और पुराने नियम के इतिहास में बहुत सारे प्रसंग हैं जहां भगवान एक योद्धा के रूप में आते हैं और इज़राइल के खिलाफ लड़ते हैं।

और फिर तीसरा, पुराने नियम की समयावधि के अंत में, विशेष रूप से निर्वासन की अवधि और निर्वासन के बाद की अवधि में, इज़राइल के भविष्यवक्ताओं ने उन्हें उनके उत्पीड़न से मुक्त करने के लिए भविष्य में आने वाले योद्धा भगवान के बारे में बात करना शुरू कर दिया। और फिर जब हम नए नियम की ओर मुड़ते हैं, तो हम चरण चार को देखने जा रहे हैं, जिसमें यीशु योद्धा के रूप में आते हैं और वह लड़ाई को बढ़ाते और तीव्र करते हैं ताकि आप आध्यात्मिक शक्तियों और अधिकार की ओर निर्देशित हों। लेकिन यह कहानी का अंत नहीं है।

जब हम प्रकाशितवाक्य जैसी पुस्तक की ओर मुड़ते हैं, या हम मार्क 13, ल्यूक 21 जैसे अंशों को देखते हैं, जहां यीशु अपने दूसरे आगमन के बारे में बात करते हैं, तो हम देखेंगे कि दूसरे आगमन को अक्सर चित्र छवियों और भाषा का उपयोग करके वर्णित किया जाता है, जो संबंधित है एक योद्धा के रूप में भगवान के साथ। और हम चरण पाँच में देखेंगे कि जब यीशु दोबारा आएगा, तो वह शारीरिक मानवीय बुराई के साथ-साथ आध्यात्मिक बुराई दोनों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक रूप से जीत हासिल करेगा। तो, हम यह देखने जा रहे हैं कि यह वास्तव में एक बहुत ही सुसंगत तस्वीर है जो हमें बुराई के खिलाफ लड़ने के लिए भगवान के आने की मिलती है।

लेकिन इससे पहले कि हम चरण एक तक पहुंचें, लेकिन चरण एक से संबंधित, मैं पुराने नियम में युद्ध के बारे में थोड़ी बात करना चाहता हूँ और युद्ध के पहले, दौरान और बाद में क्या होता है, इसके संदर्भ में युद्ध कैसे आयोजित किए जाते थे।

यह ईश्वर एक योद्धा है पर अपनी शिक्षा में डॉ. ट्रेम्पर लॉन्गमैन हैं। सत्र 1, परिचय.